सांध्य दैनिक

4PM

कभी-कभी लोग कुछ कह कर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं, और कभी-कभी लोग चुप रहकर अपनी एक प्रभावशाली छाप बना देते हैं।
-दलाई लामा

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

• वर्ष: 8 • अंक: 206 • पृष्ठ: 8 • लखनऊ, सोमवार, 5 सितम्बर, 2022

बदहाली के मामले में यूपी देश का पहला... 2 | लोक सभा चुनाव: आरक्षण की... 3 | भाजपा ने जदयू को तोड़ने की रची... 7

लखनऊ के लेवाना होटल में भीषण आग, चार की मौत, जांच के आदेश

- » मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका, 18 जख्मी अस्पताल में भर्ती
- » सीढ़ियों के जरिए निकाले गए लोग, शार्ट सर्किट को बताया जा रहा कारण
- » मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर को सौंपी जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज क्षेत्र में आज सुबह लेवाना होटल में भीषण आग लगने से चार लोगों की मौत हो गयी जबकि 18 जख्मी हो गए। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसमें सात की हालत गंभीर है। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अग्निकांड की जांच के आदेश दिए हैं।

मदन मोहन मालवीय मार्ग पर स्थित होटल लेवाना सुईट में आज आग लगने से अफरा-तफरी फैल गयी। देखते-देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग होटल के सेकेंड और थर्ड फ्लोर को भी चपेट में ले लिया। धुंआ भरने के कारण लोगों का दम घुटने लगा। सूचना पर दमकल, स्वास्थ्य और एनडीआरएफ की टीमें पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। अंदर फंसे लोगों को सीढ़ी की मदद से बाहर निकाला गया। घायलों को सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाने के प्रयास में फायर ब्रिगेड के चंद्रेश कुमार भी जख्मी हो गए। सिविल अस्पताल में भर्ती मोना ने बताया कि हम जब सुबह उठे तो कमरे में धुआं भरा था, किसी तरह से बाहर निकले तो फायर ब्रिगेड की टीम ने सीढ़ी से होटल से बाहर निकाला। आपातकालीन गेट तत्काल नहीं खुला जिसके कारण राहत कार्य में काफी दिक्कतें आईं। आग लगने का कारण शार्ट सर्किट बताया जा रहा है। सीएमओ ने जिन दो लोगों के मरने की पुष्टि की है, उसमें एक महिला तथा एक पुरुष हैं। इनकी दम घुटने से मौत हुई है। इसके बाद होटल में दो और शव मिले हैं। लखनऊ के डीएम सूर्यपाल गंगवार ने बताया कि संभावना है कि शार्ट सर्किट की वजह से आग लगी हो। होटल के पहले तल पर बैंक्वेट है। जहां ज्यादा लोग थे। जेसीबी ने होटल की एक दीवार को तोड़ दिया। इसके बाद राहत-बचाव टीम ने रेस्क्यू तेज किया। वहीं सीएम योगी आदित्यनाथ ने होटल लेवाना सुईट के अग्निकांड पर जांच बिठा दी है। मंडलायुक्त और पुलिस कमिश्नर लखनऊ की संयुक्त टीम को इसकी जांच सौंपी गई है। लखनऊ के पुलिस कमिश्नर एसबी शिरोडकर ने बताया कि रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा होते ही वह और मंडलायुक्त अग्निकांड की जांच करेंगे। मंडलायुक्त रोशन जैकब भी घटनास्थल पर पहुंचे।

फोटो: सुमित कुमार

2018 में लगी थी दो होटलों में आग

लखनऊ के चारबाग के एसएसजी इंटरनेशनल तथा विराट होटल में 19 जून 2018 को भी शार्ट सर्किट की वजह से भीषण आग लग गई थी। इसमें 8 लोगों की जलकर मौत हो गई थी जबकि कई लोग झुलस गए थे। तत्कालीन एडीजी तथा एलडीए उपाध्यक्ष पीएन सिंह ने मामले की जांच की थी। इसमें लगभग ढाई दर्जन इंजीनियर अधिकारी,कर्मचारी दोषी पाए गए थे। कुछ के खिलाफ कार्रवाई हो गई है और कुछ के खिलाफ मामला चल रहा है।

राजनाथ सिंह ने ली घटना की जानकारी

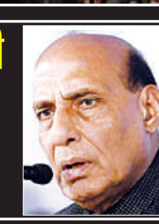

रक्षा मंत्री व लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने ट्वीट कर कहा कि लखनऊ के एक होटल में आग लगने की दुखद घटना की मुझे जानकारी प्राप्त हुई। स्थानीय प्रशासन से मैंने स्थिति की जानकारी ली है। उन्होंने कहा कि राहत और बचाव कार्य जारी है। मेरा कार्यालय लगातार स्थानीय प्रशासन के संपर्क में है। मैं घटना में घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

सीएम पहुंचे अस्पताल जाना घायलों का हाल

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों का हाल जाना। उन्होंने अधिकारियों से होटल में ठीक ढंग से सर्च ऑपरेशन कर एक-एक व्यक्ति की सुरक्षा और घायलों का अच्छा इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। वहीं डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने भी सिविल अस्पताल पहुंचकर घायलों का हाल जाना। उन्होंने डॉक्टरों और हॉस्पिटल प्रशासन को घायलों के समुचित इलाज का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि घायलों के इलाज का पूरा खर्च सरकार उठाएगी।

सियासी घमासान के बीच हेमंत सोरेन का विश्वास प्रस्ताव पास

- » भाजपा विधायकों ने किया बहिष्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रांची। झारखंड में सियासी घमासान के बीच मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का विश्वास प्रस्ताव आज विधान सभा में पास हो गया। सरकार के पक्ष में 48 वोट पड़े हैं जबकि भाजपा ने सदन का बहिष्कार कर दिया।

हेमंत सोरेन ने आज विधान सभा का विशेष सत्र बुलाया था इससे पहले रविवार देर रात विधायक दल की बैठक हुई थी। इसमें विश्वास प्रस्ताव का फैसला लिया गया था। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने कहा कि विश्वास मत हासिल करने के लिए विशेष सत्र बुलाना समझ से परे है। पार्टी लाभ के पद के मुद्दे पर सोरेन का इस्तीफा मांगेगी। हेमंत सोरेन सरकार को 49 विधायकों का समर्थन प्राप्त है। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने पिछले दिनों राज्यपाल को सीएम हेमंत सोरेन की विधायिकी को समाप्त करने की सिफारिश की थी, इसके बाद से राज्य का सियासी पारा गर्म है।

विपक्ष को एकजुट करने नीतीश दिल्ली रवाना, बोले, भाजपा को हराना लक्ष्य

- » राहुल समेत कई दलों के नेताओं से करेंगे मुलाकात
- » मिशन 2024 की रणनीति बनाने में जुटे सीएम नीतीश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में विपक्ष को एकजुट करने के लक्ष्य को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज दिल्ली रवाना हो गए हैं। इसके पहले उन्होंने पटना में लालू यादव से मुलाकात की। मुलाकात के बाद नीतीश ने कहा कि उनका एक मात्र एजेंडा 2024 में भाजपा को हराना है। इसी सिलसिले में वे दिल्ली जा रहे हैं। जाने से पहले राजद प्रमुख लालू यादव से मुलाकात कर उन्हें सबकुछ बता दिया है।

उन्होंने कहा कि मैं दिल्ली जा रहा हूं जहां मैं राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति से मिलूंगा। मैं राहुल गांधी से भी मिलूंगा। दिल्ली से लौटकर आएंगे तो आप लोगों से भी बात करेंगे। नीतीश कुमार सात सितंबर तक दिल्ली में रहेंगे और इस दौरान वे विपक्ष के कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। जेडीयू नेताओं के मुताबिक दिल्ली में नीतीश कुमार विपक्षी नेताओं से मुलाकात करेंगे। वे भाजपा के खिलाफ विपक्षी नेताओं का एक चक्रव्यूह तैयार करेंगे ताकि भाजपा को लोक सभा चुनाव में रोका जा सके। नीतीश कुमार पहले भी कह चुके हैं कि सभी विपक्षी दल एकजुट हो जाएंगे तो लोक सभा चुनाव 2024 के लिए तो बहुत बेहतर परिणाम आएंगे। गौरतलब है कि पिछले दिनों भाजपा से अलग होकर बिहार में नीतीश ने आरजेडी वाले महागठबंधन के साथ मिलकर नई सरकार बनाई है।

पश्चिम का आदमी खरा, शिकायत करेगा लेकिन रहेगा भाजपाई : भूपेंद्र

» बरेली में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसान आंदोलन और जाटों की नाराजगी के लोकसभा चुनाव 2024 पर होने वाले प्रभाव पर भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने खास अंदाज में जवाब दिया। बोले मैं, पश्चिम का आदमी खरा होता है, शिकायत तो करेगा लेकिन रहेगा भाजपाई ही। लोकतंत्र में सभी को विचार व्यक्त करने की स्वतंत्रता है। पश्चिम के लोग अपने अधिकारों के लिए निर्भीक होकर मांग करते हैं साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बहुत लाड़ प्यार करते हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनाव के पहले चरण में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 58 में 46 सीटों पर जीत दर्ज की।

पिछले लोकसभा चुनाव में 64 सीटों पर दर्ज की, अब 2024 में अन्य दलों का सूपड़ा साफ कर देंगे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के भाजपा को लोकसभा चुनाव में 50 सीटें आने के दावे पर चौधरी ने कहा कि नीतीश ने अपना चेहरा बिगाड़ लिया। अन्य दल जनता से पूरी तरह से दूर हो चुके हैं। जबकि भाजपा कार्यकर्ता जनता के दुख दर्द में शामिल होकर जुड़े हुए हैं। लगातार बढ़ रही बेरोजगारी की चर्चा करने पर उन्होंने कहा कि प्रदेश में हर स्तर पर विकास हो रहा है। नौकरी भी उसी में शामिल है। मणिपुर के राज्यपाल सतपाल मलिक और पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी लगातार आलोचना के सवाल पर उन्होंने कहा कि वह संवैधानिक पद पर हैं, मैं कोई टिप्पणी नहीं करूंगा।

चेहरे देखकर नहीं काम करता कानून

भाजपा विरोधी नेताओं के विरुद्ध लगातार सीबीआई और ईडी की लगातार हो रहीं छापमारी से उनको डराने की कोशिश किए जाने के प्रश्न पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि छापे चेहरे देखकर नहीं हो रहे हैं। भाजपा का भी कोई नेता गड़बड़ करेगा तो उसके विरुद्ध भी कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि विरोधी दल के तमाम लोग ईडी और सीबीआई के छापों से डरते क्यों हैं। अगर सही हैं तो उनको डरने की क्या जरूरत है।

निकाय चुनाव में होगा संगठन में पुनर्गठन

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने स्पष्ट कहा है कि प्रदेश में भाजपा संगठन का पुनर्गठन निकाय चुनाव के बाद होगा। इस समय भाजपा के कार्यकर्ताओं का एक लक्ष्य नगर निकायों के चुनाव को जीतना। बूथ से लेकर अखिल भारतीय संगठन का गठन होगा। संगठन का कार्यकाल तीन वर्ष का होता है। उसके बाद पुर्नगठन किया जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से महंगाई को लेकर की जा रही चर्चा के संबंध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि राहुल उनकी बहन और उनके पार्टी के नेताओं को अब जनता गंभीरता से नहीं लेती है। बोले, कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भूमिका हमेशा के घेरे में रहती है। वह कब क्या कह दें, इस बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता है। विपक्षी दल ना तो जनता से जुड़े हैं और ना ही जमीन पर काम कर रहे हैं।

युवाओं को हुनरमंद भी बना रही नई शिक्षा नीति : स्वतंत्र देव

» 21वीं सदी के आधुनिक विचारों को जोड़ा गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने देश की शिक्षा नीति में एक नई नींव डाली है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत युवाओं को शिक्षा के साथ-साथ हुनरमंद भी बनाया जा रहा है। 21वीं सदी के आधुनिक विचारों को जोड़ा गया है। स्वतंत्र देव सिंह भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के आडिटोरियम में आयोजित महामना शिक्षण संस्थान के नए सत्र के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि महामना शिक्षण संस्थान, आर्थिक रूप से कमजोर, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को मेडिकल तथा इंजीनियरिंग परीक्षाओं की तैयारी निशुल्क करा रहा है। नए भारत के निर्माणकर्ताओं को संस्थान, शिक्षा के साथ-साथ संस्कारी भी बना रहा है। इस मौके पर उन्होंने भाऊराव देवरस के चरित्र और कार्यों के बारे में भी बताया। उन्होंने सफल विद्यार्थियों को अंगवस्त्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया। आईआईटी बीएचयू के पूर्व निदेशक प्रो. एसएन उपाध्याय ने विद्या और शिक्षा के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जेजे मुनीर ने कहा कि आधुनिक पद्धति को लेकर समाज के साथ चलना चाहिए। ऐसे छात्र जो अच्छे अंक नहीं ला पाते हैं, लेकिन उनके अंदर प्रतिभा होती है। ऐसे छात्रों को भी सहायता प्रदान करनी चाहिए। अपर मुख्य सचिव डा. रजनीश दुबे ने कहा कि महामना संस्थान में आश्रम पद्धति की परिकल्पना को साकार कर रही है। कुलपति बीबीएयू प्रो संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा का मूल उद्देश्य सिर्फ रोजगार प्राप्त करना नहीं है, बल्कि सेवाभाव भी होना चाहिए। राज्य सूचना आयुक्त एवं संस्थान के संरक्षक प्रमोद तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

स्वास्थ्यकर्मियों के तीनों विंग का होगा एकीकरण

» वेतन भत्ते पर नहीं पड़ेगा फर्क, शासन को भेजा प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लंबे समय से कर्मचारियों की मांग को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग के तीनों विंग का एकीकरण किया जाएगा। सभी कर्मियों की सेवा नियमावली एक होगी और नियुक्ति प्राधिकारी भी एक ही रहेगा। शासन को इसका प्रस्ताव भेज दिया गया है। पहले चरण में स्वास्थ्य महानिदेशालय, परिवार कल्याण महानिदेशालय और राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रशिक्षण संस्थान के कर्मियों का एकीकरण किया जाएगा।

दूसरे चरण में परिधिगत कार्यालय यानी जिलों के कर्मियों को शामिल किया जाएगा। इससे चार के बजाय सेवा नियमावली एक हो जाएगी। एक सेवा नियमावली बनने से वरिष्ठता सूची भी एक हो जाएगी। हालांकि वेतन-भत्ते पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक प्रशासन डॉ. राजा गणपति आर की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय कमेटी ने शासन को प्रस्ताव भेज दिया है। एकीकरण से महानिदेशालय के कर्मी जिलों में और जिलों के कर्मी महानिदेशालय में तैनात किए जा सकेंगे। इसे लेकर कर्मियों के बीच लंबे समय से विवाद का अंत हो जाएगा।

बदहाली के मामले में यूपी देश का पहला राज्य : संजय

» सप्ताह भर चलेगा आप का 'सेल्फी विद सरकारी स्कूल' अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में स्कूलों की बदहाली को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) प्रदेश भर में बड़े पैमाने पर अभियान चलाने जा रही है। इसकी शुरुआत शिक्षक दिवस यानी आज से हो गई है। आप के प्रदेश प्रभारी व सांसद संजय सिंह ने कहा कि इस अभियान को 'सेल्फी विद सरकारी स्कूल' नाम दिया गया है।

एक सप्ताह तक चलने वाले इस अभियान के तहत आप के कार्यकर्ता सरकारी स्कूलों में जाकर बच्चों को दी

जाने वाली सुविधाओं की पोल खोलेंगे। पार्टी कार्यालय में आप नेता संजय सिंह ने कहा कि स्कूलों की बदहाली के मामले में यूपी देश का पहला राज्य बन गया है। यूपी में 25577, एमपी में 22824, असम में 6271 और झारखंड में 1101 सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। कई अन्य भाजपा शासित राज्यों में भी हजारों की संख्या में स्कूल बंद हो चुके हैं। इसलिए अभियान चलाने के निर्णय लिया गया है। उन्होंने व्हाट्सएप नंबर 8382928009 जारी कर जनता से भी स्कूलों की अव्यवस्था की फोटो व वीडियो साझा करने का आह्वान किया है। नगर निकाय चुनाव की तैयारियों के लिए पार्टी ने एक समिति बनाई है। निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। ब्रज कुमारी सिंह, अनूप पांडेय, सरबजीत सिंह मक्कड़, सुबोध यादव व निर्मल मिश्रा को सदस्य बनाया गया है।

उत्तरप्रदेश की कानून व्यवस्था बेहतर

पांच बार के सपा विधायक कमाल यूसुफ मलिक का निधन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर में सोमवार की सुबह समाजवादी पार्टी के नेता रहे कमाल यूसुफ मलिक का निधन हो गया। यह सूचना मिलते ही उनके परिवार और समर्थकों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की सूचना मिलने के बाद प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के नेता शिवपाल सिंह यादव ने शोक व्यक्त किया है। कमाल यूसुफ मलिक के निधन पर शिवपाल सिंह यादव ने ट्वीट कर कहा कि वरिष्ठ समाजवादी नेता और पूर्व मंत्री जनाब कमाल यूसुफ मलिक साहब के निधन का दुखद समाचार प्राप्त हुआ है। ईश्वर दिवंगत की आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें. भावपूर्ण श्रद्धांजलि। दरअसल, पूर्व मंत्री मलिक कमाल यूसुफ लंबे वक्त से बीमार थे। वे सिद्धार्थनगर नगर की डुमरियागंज सीट से पांच बार विधायक रह चुके हैं। इसके अलावा यूसुफ सपा सरकार में राज्य मंत्री भी रह चुके हैं। बीमारी के कारण पूर्व विधायक का इलाज बीते कई दिनों से लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में हो रहा था। उनका निधन रविवार देर रात हुआ, जिसकी सूचना उनके परिजनों द्वारा दी गई।

लोक सभा चुनाव: आरक्षण की आस लगाए अति पिछड़ी जातियों पर दांव खेलने की तैयारी में भाजपा

» संविधान में अनुसूचित जाति का दर्जा पर नहीं मिल रहा फायदा

» उत्तराखंड की तर्ज पर 17 अति पिछड़ी जातियों को सरकार दे सकती आरक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में लगातार दूसरी बार सत्ता में पहुंची भाजपा अब लोक सभा चुनाव की तैयारियों में जुट गयी है। प्रदेश की अस्सी सीटों पर नजरें गड़ाए भाजपा आम चुनाव फतह करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती है। वह जातीय और क्षेत्रीय समीकरण साधने में जुटी हुई है। इसी क्रम में अब वह तकनीकी विवाद में फंसी 17 अति पिछड़ी जातियों को उत्तराखंड की तर्ज पर आरक्षण देने की तैयारी में जुट गयी है और इसके लिए रास्ते तलाश रही है।

भाजपा ने अति पिछड़ी जातियों को अपने पाले में करने के लिए कवायद शुरू कर दी है। आरक्षण की आस में दशकों से मंझधार में फंसी इन 17 अति पिछड़ी जातियों की नैया को ठोस आधार देने की तैयारी की जा रही है। योगी सरकार नियमों के भंवर में फंसाए बिना निषाद, केवट, राजभर सहित 17 जातियों को अनुसूचित जाति का आरक्षण दिलाने की तैयारी में हैं। संभावना है कि 2024 के लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा उत्तराखंड की तर्ज पर 13 प्रतिशत आबादी वाली इन जातियों पर आरक्षण का बड़ा दांव चल दे। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में कहार, कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, कुम्हार, प्रजापति, धीवर, बिंद, भर, राजभर, धीमान, बाथम, तुरहा, गोड़िया, मांझी और मछुआ ऐसी अति पिछड़ी जातियां हैं, जिन्हें संविधान में तो अनुसूचित जाति का दर्जा दिया गया लेकिन तकनीकी व राजनीतिक उलटफेर के चलते यह अनुसूचित जाति वर्ग की सूची से बाहर हो गईं। इसके कारण इनको आरक्षण का लाभ नहीं मिल पा रहा है। अनुसूचित संविधान आदेश 1950 के आधार पर 1991 तक इन्हें अनुसूचित जाति का आरक्षण मिला और उसके बाद से इनका हक राजनीतक दलों के लिए एक मुद्दा भर बनकर रह गया।

ये है रास्ता

इस मुद्दे पर लंबे समय से कानूनी लड़ाई लड़ रहे दलित-शोषित वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष संतराम प्रजापति ने बताया कि उत्तराखंड में शिल्पकार जाति समूह को अनुसूचित जाति वर्ग का आरक्षण दिया गया। इसके लिए तत्कालीन उत्तराखंड सरकार ने 16 दिसंबर, 2013 को अनुसूचित संविधान आदेश 1950 को ही री-सर्कुलेट किया। उसी जाति समूह में केवट भी हैं। आज भी उसी आधार पर प्रमाण-पत्र बन रहे हैं। उनका मानना है कि भाजपा सरकार भी अब दो रास्ते अपना सकती है। आसान विकल्प यह है कि संविधान आदेश 1950 का अनुपालन कराने के लिए स्पष्टीकरण के साथ अधिसूचना जारी करे। नए सिरे से जातियों को अनुसूचित करने जैसे शब्दों का प्रयोग न हो। इसके अलावा इन जातियों को मूल जाति के रूप में अनुसूचित जाति में शामिल किया जा सकता है। इस पर संसद में मुहर लगवानी पड़ेगी।

सियासी दांव-पेंच

2005 में तत्कालीन सपा मुखिया और मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव ने सबसे पहले इस पर दांव लगाया था और इन्हें अनुसूचित जाति में शामिल करने का आदेश जारी कर दिया। चूंकि, राज्य को किसी जाति को अनुसूचित करने का अधिकार नहीं है इसलिए हाईकोर्ट ने उस पर रोक लगा दी। बाद में यूपी सरकार ने उसे वापस ले लिया। बसपा सरकार बनने पर मायावती ने अनुसूचित जाति के आरक्षण का कोटा 21 से बढ़ाकर 25 प्रतिशत करने की मांग के साथ केंद्र सरकार को 17 जातियों का प्रस्ताव बढ़ाया जो आगे नहीं बढ़ सका। बाद में अखिलेश यादव ने अपनी सरकार के दौरान 2016 में दो अधिसूचनाएं जारी कीं। फिर उनके अनुपालन के संदर्भ में कोर्ट के निर्णय पर योगी सरकार ने 2019 में अधिसूचना जारी की। इन सभी अधिसूचनाओं को हाईकोर्ट ने हाल ही में रद कर दिया है।

तो पूर्वांचल में भारी हो जाएगा पलड़ा

पूर्वांचल में क्षेत्रीय दलों का प्रभाव इसीलिए है क्योंकि वहां पिछड़ी जातियों की आबादी अधिक है। निषाद, मल्लाह, राजभर आदि जातियों की पूर्वांचल के कई जिलों में इतनी आबादी है कि चुनाव में कुछ सीटों पर निर्णायक साबित हो। इसे देखते हुए भी भाजपा निषाद पार्टी, अपना दल एस को साथ लिए है और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को फिर साथ रखना चाहती है। यदि लोक सभा चुनाव से पहले भाजपा ने इन 17 अतिपिछड़ी जातियों को अनुसूचित जाति का आरक्षण दिला दिया तो पूर्वांचल में भाजपा का पलड़ा और भारी होना तय है।

24 में मैनपुरी बनेगा यदुवंशियों का अखाड़ा!

मुलायम नहीं उतरे तो शिवपाल यादव लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

» प्रसपा प्रमुख के बयान के बाद सियासी पारा हुआ गर्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 2024 में होने वाले लोक सभा चुनाव में कौन कहां से चुनाव लड़ेगा, इसको लेकर अभी से मंत्रणा शुरू हो गई है। राजनीतिक गलियारों में भी सीटों के बंटवारे को लेकर अभी से खुसुर-फुसुर होने लगी है। हालांकि सभी पार्टियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ को और मजबूत बनाने के लिए धार देनी भी शुरू कर दी है। वर्षों से सपा के खेमे में रही आजमगढ़ सीट पर अब भाजपा का कब्जा है। अखिलेश से लोक सभा सीट छिनने के बाद कुछ राजनीतिक दलों की नजरें उनके पिता मुलायम सिंह यादव की सीट मैनपुरी पर टिक गई हैं।

वर्षों से सपा खेमे के कब्जे में इस सीट पर अब शिवपाल यादव ने भी ताल ठोंकने के संकेत दिए हैं। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव ने मुलायम सिंह यादव के चुनाव न लड़ पाने की सूरत में खुद मैनपुरी लोक सभा सीट से मैदान में आने की बात कही है। शिवपाल से पूछा गया कि इस बात की चर्चा है कि अगर मुलायम सिंह स्वास्थ्य कारणों से मैनपुरी से नहीं लड़ेंगे तो आप भाजपा के सहयोग से मैनपुरी लोक सभा चुनाव लड़ सकते हैं, शिवपाल ने कहा कि वह चाहते हैं कि नेताजी स्वस्थ्य रहें और पुन: चुनाव लड़े और जीतें। यदि वह नहीं लड़ना चाहते हैं तो देखेंगे कि तब क्या हालात मोड़ लेते हैं। मैनपुरी में मुलायम सिंह यादव वर्तमान में सांसद हैं अगर मुलायम सिंह यादव 2024 का लोक सभा चुनाव नहीं लड़ें तो पूरी संभावना है कि शिवपाल यहां से चुनाव लड़ जाएं। बताया जा रहा है कि तब भाजपा उन्हें समर्थन दे सकती है। ऐसे में सपा व प्रसपा इस यादव बहुल सीट पर आमने-सामने होगी।

सपा से बेहतर संबंध के लिए पांच साल गंवा दिए

शिवपाल ने कहा कि अखिलेश के साथ उनका अनुभव बहुत कड़वा रहा। हमें कई बार धोखा मिला। हमने सपा से बेहतर संबंधों की उम्मीद में पांच साल गंवां दिए। इस विधान सभा चुनाव में एक सीट पर मान जाना मेरी बड़ी भूल थी लेकिन हमारी मजबूरी थी। हमारा सिंबल जब्त हो चुका था। हम अब अखिलेश के बारे में बात नहीं करना चाहते। पर एक बात तय है कि अगर उन्होंने हमारी बात मानी होती तो आज सपा सरकार चल रही होती। उन्होंने हमें स्टार प्रचारक तक नहीं बनाया। अगर चुनावी दौरे के लिए हेलीकाप्टर दिया होता तो हर सीट पर सपा को 20000 वोट अतिरिक्त दिला दिया होता। अब अपनी पार्टी संगठन मजबूत कर रहे हैं, यादव समाज को एकजुट करने का काम भी यदुकुल मिशन के जरिए चलता रहेगा। दोनों काम साथ-साथ होंगे। एक सवाल पर शिवपाल यादव ने कहा कि डीपी यादव सियासी तौर पर भी उनके साथ आ गए हैं। लोक सभा चुनाव से पहले हम लोग सभी सीटों पर निकाय चुनाव लड़ेंगे। वर्ष 2019 के लोक सभा चुनाव में 48 सीट (कोई सीट नहीं जीती)पर लड़ थे। इस बार उससे ज्यादा ही लड़ेंगे।

सपा से चुनावी तालमेल प्रसपा की थी भूल

प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के अध्यक्ष शिवपाल यादव ने समाजवादी पार्टी से चुनाव तालमेल को अपनी बहुत बड़ी भूल बताया। साथ ही उन्होंने भाजपा को लेकर भी एक इशारा कर दिया। शिवपाल का यह इशारा भाजपा से समझौते से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि इसको लेकर शिवपाल यादव अभी खुलकर नहीं बोले हैं। उनका कहना है कि वह किसी भी सूरत में अब सपा से कोई तालमेल नहीं करेंगे लेकिन उन्होंने भाजपा से तालमेल से भी इंकार नहीं किया। उन्होंने कहा कि इस बारे में कुछ तय नहीं है। वैसे भी अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगी। शिवपाल ने पत्रकारों से बातचीत में यह बातें कहीं। भाजपा के साथ कुछ सीटों पर तालमेल की बाबत सवाल पर उन्होंने कहा कि अभी कुछ कहा नहीं जा सकता है। कांग्रेस से संभावित गठजोड़ के बाबत पूछे जाने पर इससे इंकार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस से बहुत पहले मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ने की बात हुई थी लेकिन अब वह बात पुरानी हो चुकी है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

गड्ढा मुक्त सड़कों के दावे की हकीकत

सरकार के तमाम दावों और वादों के बावजूद प्रदेश के अधिकांश शहरों की सड़कों की हालत खस्ता है। इन सड़कों पर बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। इसके कारण न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है बल्कि दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी रहती है। यह हाल तब है जब यूपी सरकार ने सड़कों को गड्ढा मुक्त करने का वादा और दावा किया था। सवाल यह है कि सरकार के आदेशों के बावजूद सड़कों को दुरुस्त क्यों नहीं किया जा रहा है? सरकारी निर्माण इकाइयां क्या कर रही हैं? क्या निर्माण में जारी भ्रष्टाचार के कारण सड़कों का हाल बेहाल है? नयी बनी सड़कें भी पहली बारिश में उखड़ क्यों जाती हैं? क्या ठेकेदारों-कर्मचारियों की मिलीभगत ने पूरी व्यवस्था को पंगु कर दिया है? गड्ढा युक्त सड़कों को लेकर सुप्रीम कोर्ट की चिंता पर सरकार गौर क्यों नहीं कर रही है? क्या ऐसे ही प्रदेश में स्मार्ट सिटी का सपना साकार होगा?

एक ओर सरकार गांव और शहरों में बेहतर सड़कें बनाने के वादे करती है दूसरी ओर शहरों की सड़कों की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक की सड़कें बदहाल हैं। पुराने लखनऊ से लेकर पॉश इलाकों तक की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब हर साल राज्य सरकार करोड़ों रुपये सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर खर्च करती है। गुणवत्ता का आलम यह है कि पहली ही बारिश में सड़क उखड़ जाती है और इसके दोबारा बनाने की नौबत आ जाती है। खस्ता हाल सड़कों के कारण दुर्घटनाओं की संख्या ही नहीं बढ़ी है बल्कि जाम की समस्या में भी इजाफा हुआ है। शीर्ष अदालत भी सड़कों में बने गड्ढों के कारण होने वाले हादसे में बढ़ती मौतों की संख्या पर चिंता जाहिर कर चुका है और राज्य सरकारों को इसे दुरुस्त करने की हिदायत दे चुका है। बावजूद इसके हालत में सुधार नहीं हुए हैं। साफ है इनके निर्माण में जमकर धांधली और लापरवाही बरती जा रही है। मिलीभगत के चलते सड़कों को तकनीकी जांच में पास कर दिया जाता है और सड़क साल भर के अंदर खराब हो जाती है। निर्माण के नाम पर सड़कों पर पैच वर्क का काम जरूर होता है लेकिन यह पैच वर्क भी ऐसा होता है कि अगली बारिश झेल नहीं पाता है। वहीं बेतरतीब तरीके से पैच वर्क होने के कारण हादसे होने की आशंका बढ़ जाती है। जाहिर है यदि सरकार सड़कों को गड्ढा मुक्त और गुणवत्ता युक्त बनाना चाहती है तो उसे विभागों में व्याप्त भ्रष्टाचार को खत्म करना होगा साथ ही सड़कों की गुणवत्ता की जांच और निर्माण पर सतत निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित करना होगा अन्यथा स्मार्ट सिटी बस सपना रह जाएगा।

“ एक ओर सरकार गांव और शहरों में बेहतर सड़कें बनाने के वादे करती है दूसरी ओर शहरों की सड़कों की हालत लगातार खस्ता होती जा रही है। प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक की सड़कें बदहाल हैं। पुराने लखनऊ से लेकर पॉश इलाकों तक की सड़कों में बड़े-बड़े गड्ढे बने हुए हैं। यह स्थिति तब है जब हर साल राज्य सरकार करोड़ों रुपये सड़कों की मरम्मत और निर्माण के नाम पर खर्च करती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

रुपये में वैश्विक व्यापार से घटेगा घाटा

जयंतीलाल भंडारी

इस समय एक ओर तेजी से बढ़ता देश का व्यापार घाटा तो दूसरी ओर तेजी से घटता हुआ विदेशी मुद्रा भंडार आर्थिक चिंता का बड़ा कारण बन गया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में अप्रैल-जून की तिमाही के दौरान भारत का कुल निर्यात बढ़कर 121 अरब डॉलर रहा वहीं इस अवधि में आयात और तेजी से बढ़कर 190 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच गया। इस तरह भारत को 69 अरब डॉलर का घाटा हुआ। जहां जुलाई, 2022 में देश में 66.27 अरब डॉलर का आयात किया गया, वहीं 36.27 अरब डॉलर का निर्यात किया गया। ऐसे में जुलाई, 2022 में भी 30 अरब डॉलर का व्यापार घाटा दिखाई दिया। यह व्यापार घाटा पिछले वर्ष जुलाई, 2021 में 10.63 अरब डॉलर था। सालाना आधार पर जुलाई, 2022 में आयात में 43.61 फीसदी वृद्धि हुई है। वहीं 19 अगस्त को भारत के विदेशी मुद्रा भंडार का आकार घटते हुए 564.05 अरब डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 3 सितंबर, 2021 को 642.45 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चतम स्तर पर था।

रूस और यूक्रेन युद्ध के कारण वैश्विक मंदी की आशंका और कच्चे तेल की ऊंची कीमत के कारण जो डॉलर मजबूत हुआ है, वह डॉलर चीन और ताइवान के बीच गहरे तनाव के मद्देनजर और मजबूत होने की प्रवृत्ति बता रहा है। ऐसे में देश के तेजी से बढ़ते व्यापार घाटे पर नियंत्रण एवं विदेशी मुद्रा भंडार को घटने से बचाने के लिए निर्यात बढ़ाने और अनावश्यक आयात घटाने के लिए अधिक कारगर प्रयासों की जरूरत है। भारत अपने क्रूड ऑयल का करीब 80-85 फीसदी जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की वजह से इसकी खरीद पर भारत द्वारा अधिक डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं। साथ ही देश में कोयला, उर्वरक, वनस्पति तेल, दवाई के कच्चे माल, केमिकल्स आदि का आयात लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे डॉलर की जरूरत और ज्यादा बढ़ गई है। परिणामस्वरूप व्यापार घाटा बढ़ रहा है और विदेशी मुद्रा भंडार का आकार कम होता जा रहा है। अत: हमें निर्यात बढ़ाकर अधिक डॉलर की कमाई करनी होगी। वर्ष 2021-22 में भारत द्वारा अमेरिका को 76 अरब डॉलर का निर्यात किया गया था। अब अमेरिका में मंदी की शुरुआत जैसी स्थिति के मद्देनजर भारतीय निर्यात पर असर दिख रहा है। चीन सहित दुनिया के कई देशों को भी निर्यात बढ़ाने में चुनौती दिख रही है। ऐसे में निर्यात के नए

बाजार खोजना जरूरी है। कोविड-19 के बीच भारत ने 200 से अधिक देशों को कोरोना की दवाइयां निर्यात की हैं। अतएव ऐसे भारत से भावनात्मक रूप से जुड़े देशों में निर्यात की नई संभावनाएं हैं। लिहाजा देश को मुक्त व्यापार समझौतों को तेजी से आकार देने की रणनीति पर आगे बढ़ना होगा। इससे निर्यात बढ़ेंगे। हाल ही में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत और अन्य देशों के बीच व्यापारिक सौदों का निपटान रुपये में किए जाने संबंधी महत्वपूर्ण निर्णय से भारतीय निर्यातकों और आयातकों को अब व्यापार के लिए डॉलर की अनिवार्यता नहीं रहेगी। कोई भी देश भारत से सीधे बिना अमेरिकी डॉलर के व्यापार कर सकता है। इससे जहां डॉलर संकट का सामना कर रहे रूस, संयुक्त अरब अमीरात, श्रीलंका, ईरान, एशिया और अफ्रीका सहित कई छोटे देशों के साथ भारत का विदेश व्यापार तेजी से बढ़ेगा, वहीं भारत का व्यापार घाटा कम होगा और विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ेगा। जिस तरह भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय कारोबार को ज्यादा से ज्यादा एक-दूसरे की मुद्राओं में करने को लेकर दोनों देशों ने कदम आगे बढ़ाए हैं, उसी तरह भारत द्वारा अन्य देशों के साथ एक-दूसरे की मुद्राओं में भुगतान की व्यवस्था करनी होगी। पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों की काट खोजने के मद्देनजर एशिया के कई देश रूस के साथ डॉलर और यूरो के बजाय एशियाई मुद्राओं में कारोबार करने लगे हैं। फरवरी, 2022 के बाद से भारत ने रूस से काफी ज्यादा क्रू ड खरीदना शुरू कर दिया है, जिसका असर द्विपक्षीय कारोबार पर भी दिखाई देने लगा है। सरकार के नये फैसले का देश की पेट्रोलियम कंपनियों को भी फायदा हुआ है और विदेशी मुद्रा भंडार से डॉलर के व्यय में कमी आई है। अगर भारत सरकार रुपये में कारोबार करने को प्रोत्साहन देने लगे तो इससे निर्यातकों के बीच रुपये को लेकर स्वीकार्यता बढ़ेगी। अभी डॉलर या यूरो में निर्यात की कमाई लाने वाले निर्यातकों को सरकार की ओर से कर छूट दी जाती है। यह छूट रुपये में निर्यात की कमाई लाने में उपलब्ध नहीं है। ऐसी स्कीम को तैयार किया जाना चाहिए, जिससे रुपये में वैश्विक कारोबार की अनुमति बढ़े और व्यापार घाटे में कमी आ सके। यह जरूरी है कि घरेलू उत्पादन वृद्धि और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन के साथ आत्मनिर्भर भारत अभियान को तेजी से आगे बढ़ाकर व्यापार घाटे में कमी की जाए।

चीन में उइगर मुस्लिमों पर अत्याचार और दुनिया

नीरज कुमार दुबे

चीन किस कदर अत्याचारी है इसका खुलासा संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट से हुआ है। वर्षों से इस तरह की खबरें आती रही हैं कि चीन के शिनजियांग में उइगर मुस्लिमों पर भयानक अत्याचार हो रहे हैं लेकिन चीन इससे इंकार करता रहा है और इसे अपने खिलाफ दुष्प्रचार बताता रहा है लेकिन अब जो रिपोर्ट जारी की गई है उसने चीन को दुनिया के सामने बेपर्दा कर दिया है क्योंकि रिपोर्ट को तैयार करने से पहले संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की प्रमुख मिशेल बैचलेट ने शिनजियांग का दौरा कर वहां के हालात देखे थे।

मिशेल बैचलेट ने अपनी रिपोर्ट में इस बात का विस्तार से वर्णन किया है कि कैसे उइगर मुस्लिमों पर जुल्म ढाये जाते हैं, कैसे उनका यौन शोषण किया जाता है, कैसे उन्हें अमानवीय स्थितियों में बंदी बनाकर रखा जाता है और तमाम तरह की यातनाएं देते हुए उनका जीवन नारकीय बनाया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कैद करके रखे गए अल्पसंख्यकों को परिवार नियोजन के लिए जबरन दवाइयां दी जाती हैं। उइगर मुस्लिमों के नमाज पढ़ने या रोजे रखने पर भी पाबंदी लगाई जाती है और उन्हें दाढ़ी रखने के लिए भी मनाही है। उइगर मुस्लिम महिलाओं को पर्दा करके बैंक, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक जगहों पर जाने की इजाजत नहीं है। यदि किसी उइगर मुस्लिम ने चीनी कानून का विरोध या उल्लंघन किया तो उससे सख्ती से निपटा जाता है। कैदी बनाकर रखे गये उइगर मुस्लिमों से चीनी अधिकारी जबरन मजदूरी कराते हैं तथा निगरानी शिविरों में व्यवस्थित तौर पर जन्म नियंत्रण का तंत्र भी बना कर रखा गया है ताकि उइगर मुसलमानों की आबादी नहीं बढ़ पाये। इन यातनाओं का जिक्र करते हुए संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि चीन के शिनजियांग में उइगर समुदाय के लोगों तथा अन्य को जबरन नजरबंद रखना मानवता के खिलाफ अपराध है। आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के अभियान के नाम पर चीन उइगर मुस्लिमों पर जिस तरह की दादागिरी दिखा रहा है उसके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय को एकजुट होकर प्रतिक्रिया देनी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख मिशेल बैचलेट ने इस रिपोर्ट को तैयार करने के लिए मई में शिनजियांग की यात्रा की थी। जैसे ही खबर आई कि यह रिपोर्ट जारी होने वाली है चीन ने अडंगा लगाने का प्रयास किया लेकिन मिशेल बैचलेट का कार्यकाल समाप्त होने से पहले यह रिपोर्ट जारी कर दी गयी। बैचलेट की इस रिपोर्ट पर संयुक्त राष्ट्र तथा उसके सदस्य देशों की मुहर लगी है। वहीं बीजिंग ने रिपोर्ट को अवैध और अमान्य करार देते हुए कहा है कि अमेरिका ने उसे रोकने के लिए यह रिपोर्ट गढ़ी है। चीन को आश्चर्य इस बात पर हो रहा है कि इतनी जानकारी बाहर आ कैसे गयी? जब मिशेल बैचलेट शिनजियांग गयी थीं तो उन्हें पूरे क्षेत्र का दौरा नहीं करने दिया गया था इसके अलावा चीन अपने अत्याचारों के सबूत भी मिटाता रहता है।

चीन सिर्फ उइगरों पर शारीरिक और मानसिक अत्याचार ही नहीं करता है बल्कि उनके सांस्कृतिक धरोहरों को भी समाप्त करने में जुटा है। पिछले साल चीन ने उइगर समुदाय की मस्जिद को तोड़ कर वहां फाइव स्टार होटल बनवाने के आदेश दिये थे। एक आस्ट्रेलियाई थिंक टैंक की रिपोर्ट के अनुसार चीन शिनजियांग प्रांत में 16 हजार से ज्यादा मस्जिदों को जमींदोज कर चुका है और इनमें से अधिकतर मस्जिदों को पिछले तीन-चार सालों में ही नुकसान पहुंचाया गया है। समाचार एजेंसी एएफपी की जांच में पाया गया कि उइगर मुस्लिमों की दर्जनों कब्रगाहों को उखाड़ दिया गया था जिससे मानव अवशेष जमीन पर फैले हुए थे। माना जाता है कि चीन के पश्चिमी शिनजियांग क्षेत्र में हाल के वर्षों में बनाये गये शिविरों में करीब 10 से 12 लाख मुस्लिमों के बंद होने का अनुमान है। हालांकि चीन हमेशा यही कहता है कि धार्मिक उन्माद से लोगों को दूर रखने के लिए शिक्षा शिविर बनाये गये हैं जिसमें इन लोगों को रखा गया है। वहीं संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय की रिपोर्ट के सामने आने के बाद विश्व के विभिन्न देशों ने चीन को घेरना शुरू कर दिया है। अमेरिका ने कहा है कि यह रिपोर्ट चीन में हो रहे नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराधों को लेकर हमारी चिंता को और बढ़ाती है। हम चीन को जवाबदेह ठहराने के लिए भागीदारों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे और हम चीन से शिनजियांग, तिब्बत और पूरे चीन में इन अत्याचारों को तुरंत बंद करने, अन्यायपूर्ण तरीके से नजरबंद किए गए लोगों को रिहा करने, लापता लोगों का पता बताने और स्वतंत्र जांचकर्ताओं को बिना किसी बाधा के शिनजियांग तक पहुंचने देने का आह्वान करेंगे। वहीं भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा है कि हमारा मानना है कि यह रिपोर्ट शिनजियांग में अल्पसंख्यकों के साथ गंभीर दुर्व्यवहार के बारे में है लेकिन इस पर संयुक्त राष्ट्र को टिप्पणी करने दें।

बहरहाल, उइगर समुदाय के वह लोग जिन्होंने चीनी जुल्मों के खिलाफ आवाज उठाई, वह इस रिपोर्ट से बेहद खुश हैं और उन्हें लग रहा है कि आखिरकार कोशिशें रंग ला रही हैं लेकिन उनका यह भी कहना है कि यह रिपोर्ट महज शुरुआत है। जब तक सभी हिरासत केंद्र बंद नहीं हो जाते, तब तक उन्हें चैन नहीं मिलेगा। उइगर मुस्लिमों का कहना है कि हमें नतीजे चाहिए, इसलिए हम यह जानना चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के बाद क्या होगा? देखा जाये तो उनका यह सवाल जायज भी है।

मस्तिष्क को रखे दुरुस्त

शरीर को सुचारु रूप से चलाने में विटामिन्स और माइक्रोन्यूट्रीएंट्स बहुत जरूरी होते हैं, पर विटामिन बी कॉम्पलेक्स एक ऐसा तत्व है, जो मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र के सही से काम करने में मदद करता है। विटामिन बी कॉम्पलेक्स मेटॉबालिज्म को बढ़ाता है। यह पोषण को ऊर्जा में बदलने के काम करता है। हमारी कोशिकाओं में पाए जाने वाले जीन डीएनए को बनाने और उनकी मरम्मत में सहायता करता है। यह ब्रेन, स्पाइनल कॉर्ड और नसों के कुछ तत्वों की रचना में भी सहायक होता है। हमारी लाल रक्त कोशिकाओं का निर्माण भी इसी से होता है। यह शरीर के सभी हिस्सों के लिए अलग-अलग तरह के प्रोटीन बनाने का भी काम करता है।

स्किन की समस्या

विटामिन बी 6 मनुष्य की त्वचा के लिए भी अत्यंत लाभकारी है। यह त्वचा को रुखेपन से बचाने में मदद करता है। यह अनेक त्वचा संबंधी समस्याओं जैसे एक्जिमा, रूसी, मुंहासें, बालों का झड़ना और सूखी त्वचा के उपचार में भी काफी सहायता करता है। इसके अलावा यह गंभीर त्वचा रोगों जैसे मेलेनोमा और सोराइसिस आदि के उपचार में भी सहायता करता है।

इमोशनल डिसऑर्डर

इसके अलावा विटामिन बी 6 की कमी होने पर इमोशनल डिस्आर्डर, दिल से जुड़ी बीमारियां, किडनी रोग, मल्टीपल स्क्लेरोसिस, एनीमिया जैसी समस्याओं के चांस बढ़ जाते हैं। इसलिए बिटामिन बी 6 का संतुलन बनाये रखने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

थकावट और सुस्ती

विटामिन बी 6 की कमी होने पर जरा-सा काम करने पर थकावट महसूस होने लगती है। सारा दिन सुस्ती पड़ी रहती है। यह इसके खास लक्षण हैं। इसके अलावा मुंह और जीभ में सूजन भी इसकी कमी के लक्षण है। जीभ में दर्द भी हो सकता है।

पथरी होने से रोकता है

विटामिन बी 6 मानव हृदय में जमा होने वाले वसा के स्तर को नियंत्रित करने में सहायता करने के साथ ही किडनी में पथरी के निर्माण को भी रोकता है। इस विटामिन से मानव शरीर के महत्वपूर्ण अंगों का आकार सही रखने में मदद मिलती है।

हेल्दी बॉडी के लिए जरूरी है विटामिन 'बी-6'

क्या आप अपने डाइट में विटामिन बी 6 युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। कई लोग ऐसा नहीं करते और विटामिन बी 6 की कमी की वजह से कई शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त रहते हैं। पायरीडॉक्सीन या पिरीडॉक्सिन को विटामिन बी 6 के नाम से जाना जाता है। विटामिन बी 6, बी विटामिन का एक प्रकार है। यह कुछ विशेष खाद्य पदार्थों जैसे कि अनाज, बीन्स, सब्जियां, जिगर, मांस और अंडों में पाया जा सकता है। यह जरूरी पोषक तत्व हमारे भोजन को एनर्जी में बदलने में सहायक होता है। हाल ही में हुई एक रिसर्च में सामने आया है कि जो लोग विटामिन बी 6 का सेवन करते हैं उन्होंने रात को क्या सपने देखा सुबह तक अच्छे से याद रहता है।

इसके अलावा ये विटामिन नींद की क्वालिटी को बढ़ाने के साथ ही थकान को भी दूर करता है। इसके अलावा शरीर में वसा और प्रोटीन के मेटाबॉलिज्म के लिए जरूरी है। मस्तिष्क के विकास और उसके कार्यप्रणाली के लिए विटामिन बी 6 जरूरी तत्व है। जो न सिर्फ दिमागी तौर पर हमें तंदुरुस्त रखता है बल्कि यह विटामिन हीमोग्लोबिन के निर्माण मे मदद करता है। आज जानते है कि विटामिन बी 6 शरीर के लिए क्यूं आवश्यक है और इसके स्रोत क्या है।

विटामिन बी 6 के लिए ये खाएं

साबुत अनाज

अगर आप वेजिटेरियन हैं तो इसके सबसे अच्छे स्रोत साबुत अनाज जैसे गेंहू, बाजरा, जौ, मक्का, मटर, ग्रीन बीन्स, अखरोट आदि हैं। इसके अलावा केले, बंद गोभी, सोया बीन्स, गाजर और हरी सब्जियों को भी अपनी डाइट में ले सकते हैं।

एवोकाडो और पालक

विटामिन बी 6 सूरजमुखी के बीज, पिस्ते, मछली, पोर्क, चिकन, सूखे मेवे, केले, एवोकाडो और पालक में भी अधिक मात्रा में पाया जाता है।

आलू और स्टार्च वाली सब्जियां

आलू और अन्य स्टार्च वाली सब्जियां, फल (खट्टे फलों के अलावा) आदि भी इस विटामिन के अच्छे स्रोत हैं।

नॉनवेज से लाभ

नॉनवेज खाने वाले मछली, अंडे, चिकन, मटन आदि का सेवन करें।

हंसना मना है

पारुल अपने नौकर से- नालायक, तुझसे एक भी काम ढंग से नहीं होता, बदतमीज कहीं का।नौकर-मैडम, जरा तमीज से बात करिए! मैं आपका नौकर हूं, शौहर नहीं।

सारे दिन फोन पर चैटिंग करते रहने का नतीजा- पापा: बेटा क्या कर रहा है। पप्पू: पापा वर्षा आने वाली है। पापा: कुछ पढ़ लिया कर नालायक, सारे दिन लड़कियों से चैटिंग करता रहता है। पप्पू: पापा मैं बारिश की बात कर रहा हूं।

संजू अपने पिता से: पापा वो शर्मा जी का बेटा बाप बन गया। पिता: तो। संजू: अच्छा ! बचपन से जब भी वो फर्स्ट आया आपने कहा उस जैसा बनो। तो आज नहीं कहोगे। पिता: भाग हरामखोर यहां से।

पिता बेटे पर गुस्सा करते हुए: एक काम ढंग से नहीं होता तुझसे, तुम्हें पुदीना लाने के लिए कहा था और तुम ये धनिया ले आए, तुझ जैसे बेवकूफ को तो घर से निकाल देना चाहिए। बेटा: पापा चलो इकट्ठे ही चलते है। पिता: क्यों। बेटा: मम्मी कह रही थी कि ये मेथी है।

कहानी | दूसरों को छोटा न समझें

एक बार की बात है एक संत थे, वे अक्सर यात्रा पर रहते थे और उनका नियम था कि वे ऐसे ही लोगों के घर आश्रय लेते थे, जिनका अचार-विचार अच्छा हो और घर पवित्र हो। इस बार उन्होंने वृन्दावन जाने का सोची लेकिन पहुंचते-पहुंचते रास्ते में रात हो चुकी थी। तो उन्होंने सोचा कि इसी गांव में रात बिता लेता हूं और सवेरे जल्दी उठकर फिर से अपनी यात्रा को शुरू कर दूंगा। अब अपने नियम अनुसार उनको ऐसा घर खोजना था जो उनके रहने लायक हो। उन्होंने पता चला कि ब्रज के पास वाले गांव के सभी लोग धार्मिक है व कृष्ण के परम भक्त है। संत उस गांव गये और एक व्यक्ति के घर का द्वार खटखटाया और कहा, भाई मैं थोड़ा विश्राम करना चाहता हूं तो क्या मैं आपके घर रात बिता सकता हूं, लेकिन मेरा एक नियम हैं कि मैं केवल उसी के घर का भोजन और पानी ग्रहण करता हूं जिसके घर का आचार विचार शुद्ध हो। इस पर उस व्यक्ति ने कहा, महाराज माफ कीजिये मैं तो इस गांव का तुच्छ सा इंसान हूं। लेकिन इस गांव के सभी लोग मुझसे कही ज्यादा पवित्र हैं। फिर भी यदि आप मेरे घर में रुकेंगे तो मैं खुद को भाग्यशाली मानूंगा। इस पर संत कुछ नहीं बोले और आगे बढ़ गये, आगे जाकर एक और व्यक्ति से उन्होंने रात बिताने के लिए विनती की। तो इस दूसरे व्यक्ति ने भी वहीं बात कही। संत फिर बिना कुछ बोले आगे बढ़ गए। अब आगे जिसके भी घर गये सभी ने लगभग यही बात बोली। अब संत को अपनी खुद ही सोच पर लज्जा महसूस होने लगी कि वो एक संत होकर दूसरों को छोटा समझने की इतनी छोटी सोच रखते हैं जबकि एक आम आदमी जो गृहस्थ है वो अपने परिवार के जिम्मेदारियों को निभाते हुए भी कितना उत्तम आचरण लिए हुए है कि खुद को गांव का सबसे छोटा बता रहा है और दूसरे सभी को खुद से बेहतर! अब वे सबसे पहले वाले आदमी के पास गये और उससे कहा क्षमा कीजिये, मुझे लगता है इस गांव का हर एक आदमी पवित्र है लेकिन मैं आपके घर रुकना चाहूंगा।

सीख: दोस्तों ये कहानी हमें विनम्र रहने की सीख देती है। खुद को छोटा समझना और दूसरों से अपनी तुलना नहीं करना ही आपको असल जिन्दगी में महान आचरण वाला बनाता है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष – अपनी वस्तुओं को संभालकर रखना आवश्यक है। आपकी सलाह को स्वीकार किया जाएगा।

वृषभ – व्यापार में निर्णय सोच-समझकर लें। मौके का लाभ उठा सकेंगे। अति उत्साह से नुकसान होगा।

मिथुन – आर्थिक निवेश लाभदायी रहेगा। अपनी बुरी आदतों पर नियंत्रण रखना होगा। लोगों से मुलाकात होगी।

कर्क – मधुर संबंध बनेंगे, जो लाभदायी रहेंगे। व्यापार में नई योजनाओं का क्रियान्वयन होगा।

सिंह – पारिवारिक समस्या हल होगी। आवेश में आकर कार्य न करें। सामाजिक आयोजनों में रुचि लेंगे।

कन्या – व्यापार-व्यवसाय में बढ़ोतरी होगी। कर्ज से दूर रहें। परिवार के सदस्यों की तरक्की होगी।

तुला – मौके का फायदा उठाना आपके हाथ में है। व्यावसायिक दृष्टि से लाभदायक समय।

वृश्चिक – पुराने रुके कार्य पूरे हो सकेंगे। गृहस्थ जीवन शांतिमय रहेगा। जोखिम के कार्यों से दूर रहें।

धनु – व्यापारिक कार्य से की गई यात्रा लाभप्रद रहेगी। फिजूलखर्ची से बचना चाहिए।

मकर – भाइयों से खटपट हो सकती है। विद्यार्थियों को परिश्रम से अच्छे फल मिलने की उम्मीद है।

कुम्भ – नए कार्यों में सफलता मिलने की पूर्ण संभावना बनती है। पारिवारिक संबंध प्रगाढ़ होंगे।

मीन – भाग्योदय के कारण लाभ के अच्छे अवसर प्राप्त होंगे। कामकाज, व्यवसाय ठीक चलेगा।

विक्रम वेधा

तीन लुक्स में नजर आएंगे ऋतिक रोशन

बॉलीवुड मसाला

बॉलीवुड एक्टर ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म विक्रम वेधा को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। कुछ वक्त पहले फिल्म का टीजर रिलीज किया गया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया। सैफ अली खान और ऋतिक रोशन को एक साथ स्क्रीन पर देखने के लिए फैन्स एक्साइटिड हैं, लेकिन इस बीच एक ऐसी खबर सामने आई है जिसने फैन्स को और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया है। विक्रम वेधा में ऋतिक रोशन एक या दो नहीं, बल्कि तीन अलग अलग लुक्स में नजर आएंगे। इस टीजर ने ऋतिक रोशन और सैफ अली खान के लुक्स और ऑनस्क्रीन किरदारों की झलक दी है। वहीं माना जा रहा है कि फिल्म का ट्रेलर एक एक्शन पैक्ड थ्रिल राइड पर ले जाएगा और जो टीजर को भी पीछे छोड़ देगा। वैसे फिल्म में ऋतिक के किरदार वेधा को लेकर खबरें है कि फिल्म में वो तीन तरह के अलग अलग लुक्स में नजर आएंगे। इसके अलावा विक्रम वेधा ऋतिक रोशन के लिए करियर के लिए एक माइलस्टोन फिल्म है क्योंकि यह उनकी 25वीं फिल्म है। सूत्रों का कहना है कि एक अभिनेता के रूप में ऋतिक ने हमेशा अपने ऑन स्क्रीन किरदारों में ढलने की हिम्मत रखी है। अपने किरदारों की तरह दिखने से से लेकर, तौर-तरीकों को अपनाने तक, अपनी पहली फिल्म कहो ना प्यार है से लेकर उनकी आखिरी रिलीज सुपर 30 और वॉर तक, जब भी ऋतिक ने कोई फिल्म की उन्होंने इस बात का पूरा ध्यान रखा कि वो खुद को ट्रांसफॉर्म करने के साथ लोगों को सरप्राइज भी करें। विक्रम वेधा, वेधा की यात्रा और बैकस्टोरी को शोकेस करेगी। इसके लिए ऋतिक फिल्म में 3 अलग-अलग लुक में दिखाई देंगे। ट्रेलर विक्रम वेधा की दुनिया की और भी झलक देगा, जहां दर्शक वेधा की पूरी महिमा देख सकते है। ऋतिक को सबसे बहुमुखी भारतीय अभिनेताओं में से एक के रूप में जाना जाता है।

डायरेक्टर होना मेरा सबसे बड़ा सपना था और वही रहेगा : करण जौहर

डांस रियलिटी शो झलक दिखला जा पांच साल बाद वापस आ रहा है। इसे करण जौहर, माधुरी दीक्षित नेने और नोरा फतेही जज कर रहे हैं और होस्ट मनीष पॉल हैं। शो में कुल 12 प्रतिभागी हैं। करण शो के कांसेप्ट को बहुत सशक्त बताते हैं। करण कहते हैं कि कइयों को पहले से जानता हूं। शिल्पा शिंदे जी हैं, उनसे पहले मिल चुके हैं। रूबीना दिलाइक रियलिटी शो विनर रही हैं। अब की जनरेशन काफी कॉन्फिडेंट है। पहले की बात की जाए तो जब लोग पहली बार स्टेज पर आते थे, तब वह बहुत टेंटेटिव होते थे। अब की जनरेशन बहुत श्योर और कॉन्फिडेंट रहते हैं और वह मेगा मूवी स्टार की तरह परफॉर्म करते हैं। उन्हें कैमरा फेस करने में कोई भी झिझक या हेसिटेशन नहीं होती। करण आगे बोले कि एक होता कि आप डांस में कितने अच्छे हो। दूसरा आपके एक्ट का एक फैक्टर होता है। एक फीलिंग आती है, एक एनर्जी होती है, जिसे हम एक्स फैक्टर बोलते हैं। तीसरा आपका कांसेप्ट है। आपने क्या कांसेप्ट चूज किया है। यह नहीं कि कोरियोग्राफी में आपने डांस किया और चले गए। ये तीन फैक्टर मैं देखता हूं। यह बताना अभी बहुत जल्दबाजी होगी, क्योंकि मैंने यह देखा है कि झलक जिस तरह शुरू होता है, उस तरह खत्म नहीं होता। आपको शुरू में जो लगता है कि यह जीत सकते है, पर आखिर में कोई और ही निकल कर आता है। तो अभी मैं कुछ कह नहीं सकता। वह सब काफी प्रॉमिस कंटेस्टेंट है। करण ने कहा, निर्देशक होना मेरा सबसे बड़ा सपना था और वही मेरा सपना रहेगा।

बॉलीवुड मन की बात

जैकलीन के साथ मेरा कोई कनेक्शन नहीं : नोरा

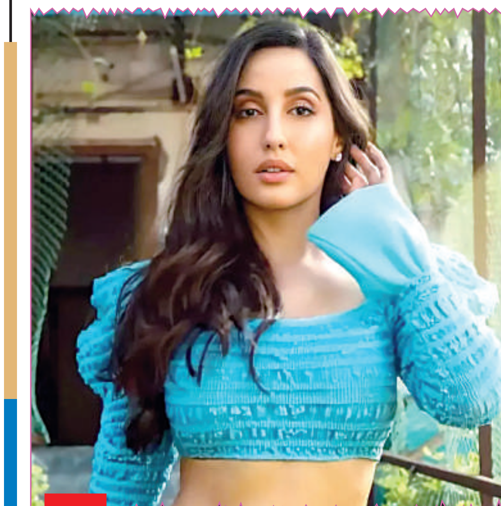

ठग सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में एक्ट्रेस नोरा फतेही से दिल्ली पुलिस ने 6 घंटे में करीब 50 सवाल किए। इसमें सुकेश से आपने गिफ्ट कब लिए? आप उनसे कहां मिलीं? जैसे सवाल थे। सूत्रों के मुताबिक पूरी पूछताछ में नोरा ने सहयोग किया। इस केस में ईडी एक्ट्रेस से 3 बार पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, नोरा ने कहा कि मैं सुकेश की पत्नी से नेल आर्ट फंक्शन में मिली थी। यहीं उन्होंने मुझे एक बीएमडब्ल्यू कार गिफ्ट की थी। मैं दोनों की क्रिमिनल हिस्ट्री के बारे में नहीं जानती थी। साथ ही नोरा ने कहा कि मेरा जैकलीन के साथ कोई कनेक्शन नहीं है। उधर दिल्ली पुलिस ने जैकलीन को 12 सितंबर को पूछताछ के लिए बुलाया है। दरअसल इस मामले में दिल्ली पुलिस और ईडी जांच कर रही हैं। ईडी की पूछताछ में आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ने नोरा फतेही और जैकलीन फर्नांडिस को लग्जरी कार समेत कई महंगे तोहफे देने का खुलासा किया था। 14 अक्टूबर 2021 को नोरा और सुकेश को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ की गई थी। इस दौरान नोरा ने खुद एक करोड़ से ज्यादा कीमत की लग्जरी गाड़ी गिफ्ट में लेने की बात कबूल की थी। सुकेश की पत्नी लीना पॉल के चेन्नई में हुए एक इवेंट को अटेंड करने के बदले में नोरा फतेही को एक बीएमडब्ल्यू कार और एक आईफोन गिफ्ट के तौर पर दिया गया था। नोरा का मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट 2002 सेक्शन 50(2) और 50(3) के तहत नोरा का स्टेटमेंट रिकॉर्ड किया गया था।

आर्टिस्ट ने ऐसा किया मेकअप गायब कर दी नाक

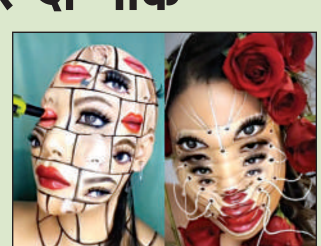

दुनिया में कलाकारों की कमी नहीं है। एक से एक बेहतरीन कलाकृतियां कर लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। कई बार तो ऐसी अनूठी कला देखने को मिला की असली और नकली फर्क नामुमकिन हो जाए। किसी ने रेत पर महल बना दिया तो किसी ने सड़क पर नदी बहा दी। कोई इंसानों को ऐसा रंग देता है आपकी पहचान पाना मुश्किल हो जाता है। लेकिन कुछ आर्टवर्क ऐसे भी होते हैं, जिन्हें देख आप सिर पकड़ने को मजबूर हो जाएंगे। ट्विटर पर शेयर एक वीडियो को देख सिर चकरा गया। महिला के चेहरे पर किया गया मेकअप उसकी असलियत ही खा गया। ना नाक का पता, ना होठों का। आंखें भी अपनी जगह से नदारद दिखीं। 4 लाख से ज्यादा व्यूज इक्ट्ठा कर चुके इस वीडियो को किसी ने कला का अनूठा उदाहरण कहा। तो किसी को लगा बेहद डरावना और बर्बाद। सोशल मीडिया पर आर्टवर्क के वीडियो में आर्टिस्ट ने महिला के चेहरे को एक कैन्वस की तरह इस्तेमाल किया और ऐसा आर्टवर्क उकेरा की आप दंग रह जाएंगे। मेकअप वाले एक नहीं कई चेहरे वीडियो में दिखाए गए। सभी अजीबोगरीब हैं। ना तो नैन-नक्श का पता, ना ही चेहरे का कोई आकार बचा। आर्टिस्ट का मेकअप वाला आर्टवर्क खूबसूरती बढ़ाने वाला तो बिल्कुल नहीं है। लेकिन इसमें कोई दो राय नहीं कि कलाकारी बेहतरीन है वो इस नजरिये से कि, चेहरे के जरिए जो भ्रम पैदा करने की कोशिश आर्टिस्ट ने की है वो उसमें पूरी तरह कामयाब रहा। चेहरे पर ऐसा कमाल किया कि चेहरे पर एक आंख की बजाय कई आंख और कई नाक-होंठ एक साथ उभरे दिखाई देने लगेंगे। फिर उसमें असली की पहचान नामुमकिन है। आर्टिस्ट ने कुछ चेहरों पर ऐसा मेकअप किया कि बंद और खुली आंखें पहचानना मुश्किल हो गया। कुल मिलाकर भगवान के दिए नैन नक्श को उसने तसल्ली से बिगाड़कर जबरदस्त कलाकारी पेश की। सोशल मीडिया पर आर्टवर्क के लिहाज से इन चेहरों को बेहद पसंद किया गया।

अजब-गजब | रसोईघर की मरम्मत के दौरान खुल गई कपल की किस्मत

धरती के गर्भ से निकला 400 साल पुराना खजाना

कहते हैं रसोई घर में लक्ष्मी का वास होता है लेकिन ऐसा सच होते भी देखा गया। किसे पता था फिर कभी जोड़ा भी आएगा जब रसोई घर में लक्ष्मी के रूप में गढ़ा खजाना मिलने लगेगा। असल में खुदाई में गड़े खजाने की कहानियां तो हर किसी ने बचपन में खूब सुनी है, लेकिन बेहद कम ऐसे लोग होंगे जिन्हें जिन्हें कभी गढ़े खजाने दीदार करने का मौका मिला होगा। लेकिन वह जोड़ा वाकई किस्मत वाला है जिन्हें बिना किसी मशक्कत के घर में ही गढ़ा खजाना मिल गया जिसने उनकी किस्मत बदलकर रख दी।

UK में एक कपल अपने घर की किचन का रिनोवेशन करवा रहा था उसी दौरान फर्श की खुदाई में सोने के सिक्कों से भरा एक बर्तन मिला, जिसके अंदर 400 साल पुराने सिक्के थे। खुदाई में मिले कुल 264 गोल्ड कॉइन की कीमत 2 करोड़ से ज्यादा बताई जा रही है। वो सालों से जहां रह रहे थे, वहां गढ़ा खजाना हो सकता है इसका अंदाजा कपल को बिल्कुल नहीं था। इतने बड़े करिश्में की उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी जिसने रातों रात उनकी किस्मत बदलकर रख दी। कपल घर को रेनोवेट करवा रहा था। उसी दौरान जब बाकी किचेन की मरम्मत की आई तो उनके तो आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा। फर्श को तोड़ने के बाद कुछ इंच की खुदाई करते ही एक बर्तननुमा चीज़ मिली जिसे खोलते ही उनके आंखे चमक उठीं। फर्श में दबा मिला बर्तन सोने के सिक्कों से भरा पड़ा था। जिसकी संख्या करीब 264 बताई गई। कपल ने इन सिक्कों को सवा लाख पाउंड में बेचने की तैयारी में है।

ब्रिटेन के पुरातत्विक रिकॉर्ड के मुताबिक 400 साल पुराने सिक्कों की मिलना अब तक की सबसे बड़ी खोज में से है। द सन की रिपोर्ट के मुताबिक, कपल ने पुरातत्व विभाग को इस बारे में सूचित किया, जहां एक्सपर्ट्स की टीम ने बताया कि धरती के गर्भ से मिले खजाने में जो सिक्के हैं वो 1610 से 1727 के बीच के हैं। सिक्कों में जेम्स फर्स्ट और चार्ल्स फर्स्ट के शासनकाल से लेकर जॉर्ज फर्स्ट तक के समय के सिक्के शामिल थे। खजाना मिलने से उत्साही कपल ने लंदन के नीलामीकर्ता स्पिंक एंड सन से संपर्क किया जिसके बाद सिक्कों को देखने के लिए एक एक्सपर्ट उनके घर पहुंचे। जिसके बाद पता चला कि खुदाई में मिले सिक्कों की कीमत 2.3 करोड़ से कहीं ज्यादा है।

अधिकारों के प्रति जागरूक हों महिलाएं: प्रो. सनोबर

अपराधों की पुलिस को दें तत्काल जानकारी, ग्राम पंचायत से की महिला हेल्प डेस्क बनाने की अपील

» समाजसेवी व अधिवक्ता मो. हैदर ने चलाया जागरूकता अभियान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखीमपुर खीरी। समाजसेवी और अधिवक्ता मोहम्मद हैदर एवं उनकी पत्नी प्रोफेसर सनोबर हैदर ने रविवार को लखीमपुर खीरी के ग्राम बौधियां कलां में ग्रामीणों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों के संबंध में जागरूक किया।

प्रोफेसर सनोबर हैदर ने महिला सशक्तिकरण के लिए चलायी जा रही प्रदेश सरकार की मिशन शक्ति योजना के बारे में ग्रामीण महिलाओं को जानकारी दी और उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने को कहा। उन्होंने कहा कि छोटी सी दिखने वाली घटना जिसमें आमतौर से छेड़छाड़, मारपीट, गाली गलौज शामिल है आगे चलकर यौन शोषण, घरेलू हिंसा जैसे जघन्य अपराध का रूप ले सकती है। ऐसे में महिला हेल्पलाइन डायल 112, 1090 का प्रयोग करते हुए किसी भी आपराधिक घटना की जानकारी पुलिस एवं प्रशासन तत्काल देनी चाहिए। प्रोफेसर सनोबर हैदर ने प्रशासनिक अधिकारियों के ऑनलाइन नंबर भी ग्राम प्रधान को दिए और इसे पंचायत भवन में प्रमुखता से प्रकाशित किये जाने की अपेक्षा की। साथ ही ग्राम पंचायत में महिला हेल्पडेस्क बनाये जाने का अनुरोध किया। उन्होंने अपील की कि महिलाओं से संबंधित प्रकरण को सूचीबद्ध कर प्रतिमाह समीक्षा करें और ऐसी घटनाओं पर प्रभावी रोक लगाएं। महिला अपराधों के प्रति संवेदनशीलता दिखाने और पीड़ित परिवार की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध रहने की ग्रामीणों से अपील भी की। इस अवसर पर ग्राम प्रधान सैय्यद मकसूद अली गुड्डू, ब्लॉक प्रमुख निघासन डिंपल, आचार्य शांति कुमार, ग्राम रोजगार सेवक तिलक राम यादव, कोटेदार अजय लोधी, पूर्व प्रधान परसराम यादव, छंगा यादव, ग्राम के विद्यालयों के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से की मुलाकात

कार्यक्रम में आए ग्रामीणों से हैदर दंपति ने भेंट की और उनकी समस्याओं मसलन क्षेत्रीय बैंको द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न, बैंक खाते को बिना सूचना बंद किये जाने, क्षेत्र में कच्ची शराब जैसी की शिकायतों के त्वरित समाधान में सहायता का आश्वासन दिया।

भजन मंडली को दिया हार्मोनियम

गांव की भगवान राधेरानी कृष्ण भजन कीर्तन मडंली के प्रमुख ओम प्रकाश आरख एवं उनके दर्जनो साथियों के इस अनुरोध पर कि उनका हार्मोनियम टूट गया है, हैदर दंपति ने नया हार्मोनियम उपहार स्वरूप भेंट किया। इस मौके पर कीर्तन भी हुआ।

अब कांग्रेस के निशाने पर दिल्ली के सीएम

देश को गुमराह कर रहे केजरीवाल: गहलोत

» अन्ना हजारे के सपने के विपरीत हो रहे हैं काम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा के साथ अब कांग्रेस के निशाने पर भी आ गए हैं। रविवार को रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की महंगाई पर हल्ला बोल रैली में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ केजरीवाल पर भी हमला बोला।

अशोक गहलोत ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल असत्य बोलने की हदें पार कर रहे हैं। पूरे देश को गुमराह करने में लगे हैं। दिल्ली में हमारी (कांग्रेस की) सरकार के समय अन्ना हजारे के नेतृत्व में जो आंदोलन किया गया और जो सपने दिखाए गए उसके विपरीत आज केजरीवाल जो कर रहे हैं, वह पूरा देख देख रहा है। दिल्ली कांग्रेस के अध्यक्ष अनिल चौधरी ने भी गहलोत के सुर में सुर मिलाया।

उन्होंने कहा कि देश में बेरोजगारी के लिए केंद्र सरकार की जिम्मेदारी बनती है तो दिल्ली में इसके लिए केजरीवाल भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। उनके दावों से इतर दिल्ली में रोजगार की सच्चाई कुछ और ही है। उन्होंने कहा कि राजधानी में महंगाई को लेकर भी केजरीवाल की जवाबदेही बनती है अगर वे चाहें तो स्थिति में थोड़ा सुधार हो सकता है।

भाजपा ने जदयू को तोड़ने की रची थी साजिश, अब नहीं करेंगे समझौता: नीतीश

» आरसीपी सिंह को एकनाथ शिंदे बनाने की थी कोशिश
» पार्टी की राष्ट्रीय परिषद में पास हुआ राजनीति प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि भाजपा ने जदयू को तोड़ने की साजिश रची थी। अब वे जीवन में भाजपा के साथ समझौता नहीं करेंगे। जब तक वह हैं, तब तक जदयू किसी भी कीमत पर भाजपा के साथ नहीं जाएगा।

जदयू राष्ट्रीय परिषद में नीतीश कुमार ने कहा कि एक साजिश के तहत जदयू को कमजोर करने का फार्मूला तैयार किया गया। भाजपा ने अपने संगठन प्रभारी रहे राजेंद्र सिंह को विधान सभा चुनाव में लोजपा के टिकट पर लड़ा दिया। ऐसा पहली बार हुआ जब भाजपा ने अपने संगठन प्रभारी को दूसरे

दल के टिकट पर मैदान में उतार दिया। चुनाव के बाद जदयू की कम संख्या पर भाजपा के लोग टिप्पणी करते रहे। आरसीपी सिंह को एकनाथ शिंदे बनाए जाने की कोशिश हो रही थी पर बिहार में यह सफल नहीं हो सका। जदयू की राष्ट्रीय परिषद की बैठक में रविवार को देश के स्तर की चर्चा में रहे कई मसलों पर विमर्श हुआ। बैठक में कहा गया कि केंद्र सरकार सार्वजनिक उपक्रमों को पूंजीपतियों के हाथों बेचकर अपने चहेते उद्योगपतियों को लाभ पहुंचा रही है। कंपनियों की आमदनी बढ़ने के बावजूद उनके कॉरपोरेट टैक्स को 30 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दिया गया। इससे पिछले तीन सालों में सरकारी खजाने में तीन लाख करोड़ का नुकसान हुआ है। इतना ही नहीं पिछले पांच साल में सरकारी बैंकों ने 10 लाख करोड़ रुपए कर्ज की रकम को बट्टे खाते में डाल दिया। अग्निवीर भर्ती योजना देश की सुरक्षा से खिलवाड़ है। राजनीतिक प्रस्ताव के तहत इस पर बात पर जदयू राष्ट्रीय परिषद में सहमति बनी कि बिहार में महागठबंधन की सरकार बनने से राज्य में चारो तरफ खुशी का माहौल है। महागठबंधन की सरकार समाज के सभी वर्गों के व्यापक हित में काम करने को संकल्पित है।

उद्धव खेमे को एक और झटका, गवर्नर ने रद्द की एमएलसी नामांकन सूची

» शिंदे सरकार ने पूर्ववर्ती एमवीए सरकार द्वारा भेजे गए 12 नामों की सूची ली थी वापस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के पत्र के बाद राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने उद्धव ठाकरे के मुख्यमंत्रित्व काल में भेजे गए उन 12 नामों की लिस्ट को रद्द कर दिया है, जिन्हें विधान परिषद में मनोनीत करना था। कुछ दिनों पहले ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी को पत्र लिखकर उस लिस्ट को रद्द करने का निवेदन किया था। इतना ही नहीं, उनकी सरकार की तरफ से विधान परिषद में मनोनयन के लिए नए नामों की सूची भेजने की बात इस पत्र में कही गई थी।

राज्य सरकार की बागडोर संभालने के 1 साल बाद, नवंबर 2020 में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने विधान परिषद में मनोनयन के लिए 20 प्रतिष्ठित व्यक्तियों की एक लिस्ट राज्यपाल कोश्यारी को सौंपी थी, जिसके बाद प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दे दी थी और राज्यपाल कोश्यारी से 12 उम्मीदवारों के विधान परिषद सदस्य मानोनीत होने की घोषणा करने की उम्मीद थी। हालांकि, गवर्नर कोश्यारी और तत्कालीन महाविकास अघाड़ी सरकार आमने-सामने थे, ऐसे में एमएलसी नियुक्तियों पर निर्णय में देरी हुई। राज्य मंत्रिमंडल के कई वरिष्ठ सदस्यों ने नियुक्तियों की घोषणा करने के लिए कथित तौर पर राज्यपाल से मुलाकात की थी, इसके बावजूद राजभवन की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसमें मांग की गई कि राज्यपाल इस मामले में जल्द से जल्द अपना फैसला सुनाएं।

हालांकि, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी अपने फैसले पर अडिग रहे और उन्होंने एमवीए सरकार की ओर से भेजे गए नामों को विधान परिषद सदस्य के रूप में मनोनीत नहीं किया। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की सरकार गिरने के बाद, 30 जून, 2022 को एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी जबकि देवेंद्र फडणवीस ने डिप्टी सीएम पद की शपथ ली। वहीं 9 अगस्त, 2022 को हुए मंत्रिमंडल विस्तार में 18 मंत्रियों को सरकार में शामिल किया गया।

श्रमिकों का नहीं पूंजीपतियों का हित साध रही भाजपा : अखिलेश

» बनाए गए अहितकारी कानून, भाजपा का चरित्र अमानवीय

» लॉकडाउन के समय नहीं की कोई मदद, श्रमिकों के साथ है समाजवादी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बिना किसान-मजदूर का हित किए कोई विकास नहीं हो सकता है। आज महंगाई की मार सबसे ज्यादा श्रमिकों और समाज के कमजोर वर्ग पर पड़ रही है। भाजपा की प्राथमिकता में पूंजीपतियों का हित साधन है। श्रमिकों के लिए अहितकारी कानून बनाए जा रहे हैं। उनके हक और सम्मान का संघर्ष जारी रखना है।

उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दल द्वारा प्रलोभन एवं सत्ता का बढ़ता दुरूपयोग लोक तंत्र के लिए बड़ी चुनौती है। भाजपा के षडयंत्र अब उजागर होते जा रहे हैं। इससे उम्मीद है कि 2024 में देश में लोकतंत्र की बहाली होगी। सपा श्रमिकों के साथ है। समाजवादी सरकार में मजदूरों के पक्ष

में कई निर्णय लिए गए थे और योजनाएं लागू की गई थी। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान श्रमिकों को अनाथ छोड़ दिया गया। भाजपा सरकार ने उनकी कोई मदद नहीं की। पैदल चलते 90 मजदूरों की मौत हुई जो श्रमिक अपने गांव जा रहे थे। भाजपा का चरित्र अमानवीय है। समाज के कामगार, कमजोर वर्ग और अल्पसंख्यकों के प्रति भाजपा का रवैया संवेदनशून्य है। आज भाजपा अपने कुप्रचार से लोगों को भ्रमित करना अपनी उपलब्धि मानती है। भाजपा की कुनीतियों के खिलाफ समाजवादी पार्टी ही संघर्ष कर रही है। समाजवादी पार्टी समाजवाद, लोकतंत्र और पंथनिरपेक्षता के लिए प्रतिबद्ध है। इसके पहले समाजवादी पार्टी की रविवार को दर्जनों श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने सदस्यता ली और डबल इंजन भाजपा सरकार में श्रमिकों के लगातार शोषण के विरूद्ध संघर्ष का संकल्प जताया। प्रारम्भ में सभी ने भारतीय संविधान की शपथ ली। सभी की राय थी कि अखिलेश यादव के नेतृत्व में ही उत्तर प्रदेश का विकास हो सकता है और न्याय तथा नागरिकों को सुरक्षा मिल सकेगी।

संजय राउत की न्यायिक हिरासत 19 तक बढ़ी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की एक विशेष अदालत ने पात्रा चॉल भूमि घोटाला मामले में शिवसेना सांसद संजय राउत की न्यायिक हिरासत 19 सितंबर तक बढ़ा दी है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउत को 1 अगस्त को मनी लॉन्ड्रिंग के सिलसिले में गिरफ्तार किया था। राउत आठ दिनों के लिए ईडी की हिरासत में थे, जब उन्हें 9 अगस्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था, जब ईडी ने कहा था कि उनकी और हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है। शिवसेना नेता संजय राउत पात्रा चाल जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में फंसे हैं। पात्रा चॉल लैंड स्कैम की शुरूआत 2007 से हुई। आरोप है कि महाराष्ट्र हाउसिंग एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी यानी एमएचएडीए के साथ प्रवीण राउत, गुरु आशीष कंस्ट्रक्शन और हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड की मिलीभगत से घोटाले को अंजाम दिया गया।

पंचायत चुनाव में 'दागी' नेताओं को टिकट नहीं देगी टीएमसी!

» पार्टी के सर्वे में निकलकर आई कई समस्याएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। छवि सुधारने की कोशिश के तहत तृणमूल कांग्रेस अगले साल बंगाल में होने वाले पंचायत चुनाव में 'दागी' नेताओं, भ्रष्टाचार के आरोपों या जनता में खराब छवि वाले प्रत्याशियों को टिकट देने से इनकार कर सकती है।

तृणमूल कांग्रेस ने दो वरिष्ठ नेताओं पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी और बीरभूम जिले के पार्टी अध्यक्ष अनुब्रत मंडल की क्रमशः शिक्षक भर्ती में कथित घोटाले और मवेशी तस्करी मामले में गिरफ्तारी के बार वृहद पैमाने पर ''परिशोधन'' अभियान चलाया है। पार्टी ने तीन आंतरिक सर्वेक्षण कराए हैं, जिनमें से एक आईपीएसी के प्रशांत किशोर से पिछले महीनों कराया गया सर्वेक्षण शामिल हैं जिसमें निर्वाचित प्रतिनिधियों और सभी स्तर के

नेताओं की कार्यप्रणाली और व्यवहार का आकलन किया गया। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सौगत राय ने कहा कि कई सर्वेक्षण किए गए हैं और विस्तृत रिपोर्ट पार्टी नेतृत्व को सौंपी जा रही है। सड़े हुए हिस्सों को बाहर निकालने की प्रक्रिया जारी है। परिशोधन प्रक्रिया अगले साल पंचायत चुनावों के लिए टिकट बंटवारे के दौरान अपने चरम पर होगी। 50 से 60 प्रतिशत से अधिक निर्वाचित प्रतिनिधियों को दोबारा टिकट देने से मना किया जा सकता है। राय की राय से सहमति जताते हुए तृणमूल के बंगाल प्रदेश उपाध्यक्ष जय प्रकाश मजूमदार ने कहा कि आमूल-चूल परिवर्तन की प्रक्रिया अगस्त में तब शुरू हुई जब कई जिलों के पार्टी अध्यक्षों को बदला गया।

भारत के निर्माण के लिए शिक्षा जरूरी : योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षक दिवस यानी पांच सितंबर को प्रदेश के 75 अध्यापकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया है। ऐसा पहली बार हो रही जब प्रदेश के हर जिले यानी 75 जिलों से एक-एक शिक्षकों को राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लोक भवन में दस शिक्षकों को सम्मानित किया, अन्य 65 को जिलों में जनप्रतिनिधियों ने सम्मानित किया।

» मुख्यमंत्री ने शिक्षक दिवस पर किया कई शिक्षकों का सम्मान, कहा, आपके प्रदर्शन पर ही बच्चों का परिणाम भी निर्भर करेगा

लोक भवन में सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षक दिवस की सभी को बधाई। आज शिक्षक दिवस पर शिक्षकों का सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के निर्माण के लिए शिक्षा जरूरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर बच्चे के कौशल को निखारने का संकल्प लिया है। इसी कारण देश में 2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हुई है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैंने प्रदेश में जब मुख्यमंत्री ने का पद भार ग्रहण किया था, तब हमारे पास कई मामले आते थे कि जिनमें परीक्षा में नकल की शिकायत की गई। मैंने तब शिक्षा मंत्री और डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा को स्वयं परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करने का आग्रह किया था। उस समय कुछ सख्ती की गई। उस समय तो हजारों बच्चों ने परीक्षा भी छोड़ दी थी, लेकिन बाद में परिणाम काफी अच्छे आए। इसके बाद भी हमने शिक्षकों को भी लक्ष्य भी तय कर दिए थे। मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों से कहा कि अब आपकी स्वयं से प्रतिस्पर्धा भी शुरू हो गई है। राज्य स्तर पर सम्मानित होने के बाद आपको लगातार अच्छा प्रदर्शन भी करना होगा। आपके प्रदर्शन पर ही बच्चों का परिणाम भी निर्भर करेगा। शिक्षक दिवस पर लोक भवन में इस सम्मान समारोह में कौशल विकास मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा, अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार तथा प्रमुख सचिव सुभाष चंद्र शर्मा भी मौजूद थे।

देश में गरीबी बढ़ी, जिसकी चिंता जरूरी : मायावती

» बसपा मुखिया ने भाजपा को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि देश में गरीबी और निम्न आय वर्ग के लोगों की संख्या बढ़ी है जिसकी चिंता किए जाने की जरूरत है। ये बातें उन्होंने ट्वीट कर कही। मायावती ने ट्वीट के जरिए कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व में पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तो बन गई है किंतु संतोष की बात तो तब होती जब यहां के लगभग 140 करोड़ लोगों के गरीब जीवन में आवश्यक सुधार होता। प्रति व्यक्ति आय में भी अवृद्धि होती।

मायावती ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि ब्रिटेन के लोगों की प्रति व्यक्ति आय भारत के लोगों से 20 गुना ज्यादा है, जिसकी बराबरी पाने पर ही देश की गरीबी, बेरोजगारी और अशिक्षा जैसी दुखद समस्याओं को दूर करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि देश की अधिकतर आबादी गरीबी व निम्न आय वर्ग में पिछड़ गई है जिसकी सही चिंता बहुत ही जरूरी है। ञ्च

भाजपा की कोर कमेटी का हो सकता है विस्तार!

» पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सहित कई लोग हो सकते हैं शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लोकसभा चुनाव सहित संगठनात्मक कार्यक्रमों और सरकार व संगठन के बीच संतुलन व सामंजस्य के लिए प्रदेश भाजपा की कोर कमेटी का विस्तार हो सकता है। कमेटी में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, दलित और महिला प्रतिनिधि को शामिल किया जा सकता है।

भाजपा में प्रदेश सरकार व संगठन के स्तर पर चुनाव कार्यक्रम, संगठनात्मक कार्यक्रम, विपक्षी दलों के खिलाफ रणनीति, जनता व कार्यकर्ताओं के फीडबैक के आधार पर सरकार व संगठन की कार्ययोजना बनाने और निगम, आयोग व बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां समेत अन्य कार्यों के लिए कोर कमेटी है। कोर कमेटी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उप मुख्यंमत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, ।धामोहन सिंह और महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह सदस्य हैं। सूत्रों के मुताबिक कोर कमेटी का विस्तार कर इसमें पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, एक महिला और दलित वर्ग के एक प्रतिनिधि को भी शामिल किया जा सकता है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी के कार्यभार ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने स्वतंत्रदेव सिंह की प्रशंसा करते हुए कहा था कि स्वतंत्र को स्वतंत्र नहीं होने देंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।